Date :

HISTORY (H)

B.A - II

UNIT-II - Sultanate

D. — (iii)

Sultanate - Art and architecture

PART - B.

सल्तनतकालीन कला एवं स्थापत्य :-

PART-A --- Cont. -- --

⇒ तुगलक काल में वास्तुकला

तुगलक वंश के शासकों ने खिलजी कालीन इमारतों की भव्यता एवं सुंदरता के स्थान पर इमारतों की सादगी, विशाल-ता पर अधिक जोर दिया

Scanned with CamScanner

SELCO

Date : ________

=> तुगलकाबाद :-

गयासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली के समीप स्थित पहाड़ियों पर तुगलकाबाद नाम का एक नया नगर स्थापित किया। इस नगर को 'छप्पन कोट' के नाम से भी जाना जाता है। दुर्ग की दीवारें मिस्र के पिरामिड की तरह अंदर की तरफ झुकी हुई थी। इसकी नींव गहरी एवं दीवारें मोटी हैं। इब्नबतूता ने कहा कि "राजमहल सूर्य के प्रकाश में इतना चमकता था कि कोई भी व्यक्ति उसे टकटकी बांध नही देख पाता था।

=> गयासुद्दीन का मकबरा :-

कृत्रिम झील के अन्दर निर्मित इस मकबरे की दीवारें चौड़ी एवं पिरामिड की तरह झुकी हुई थी। यह मकबरा चतुर्भुज के आकार के आधार

Date :

पर स्थित है। फर्ग्युसन के अनुसार - " यह मकबरे की ढलवां दीवारें एवं करीब - करीब मिस्र के ढंग की ढलान, विशालकाय योद्धा की समाधि के नमूने का निर्माण कर रही है।

⇒ आदिलाबाद का किला :-

मुहम्मद तुगलक ने तुगलकाबाद के समीप आदिलाबाद नामक किले का निर्माण करवाया।

⇒ जहाँपनाह नगर :-

मुहम्मद तुगलक ने इस नगर की स्थापना व रायपिथौरा एवं सीरी के मध्य करवायी थी। नगर के चारों ओर मोटी दीवार सुरक्षा के दृष्टिकोण से बनाई गई थी। अवशेष के रूप में बचा। "विजय मंडल" संभवतः महल का एक भाग था।

SELCO

Date :

⇒ सातपुलाह :-

मुहम्मद तुगलक द्वारा सात मेहराबों वाला एक दो मंजिला पुल की स्थापना की गयी।

⇒ औलिया का मकबरा :

इस मकबरे में संगमरमर का अच्छा प्रयोग किया गया है।

⇒ बारह खम्भा :-

सुल्तान फिरोजशाह तुगलक वास्तुकला का महान प्रेमी था उसने 200 नगर, 20 महल 30 पाठशालायें, 40 मस्जिदें 100 अस्पताल, 100 स्नानागार 5 मकबरे एवं 150 पुलों का निर्माण करवाया।

⇒ कोटला फिरोजशाह :-

सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने पाँचवी दिल्ली बसायी। दुर्ग के अन्दर निर्मित जामा

Scanned with CamScanner

Date :

मस्जिद के सामने सम्राट अशोक का टोपरा गाँव से लाया गया स्तम्भ गड़ा है।

⇒ फिरोजशाह का मकबरा :-

यह वर्गाकार इमारत है। इस प्रधान दरवाजा दक्षिण की तरफ है। मकबरे मे संगमरमर का प्रयोग किया गया है।

⇒ खिड़की मस्जिद :-

ख्वाने जहाँ जूनाशाह द्वारा जहाँपनाह नगर में निर्मित यह मस्जिद वर्गाकार रूप मे है।

⇒ काली मस्जिद :-

फिरोजशाह तुगलक के काल में निर्मित यह मस्जिद दो मंजिल है। इसमे अर्धवृत्तीय मेहराबों का प्रयोग हुआ है। मस्जिद के आँगन को चार भागों मे बाँटा गया है

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

⇒ बेगमपुरी मस्जिद :

जहाँपनाह नगर में निर्मित यह मस्जिद अपने गुम्बदों एवं मेहराबों के भी प्रयोग से काफी प्रभावशाली दिखती है। इसमें संगमरमर का सफल प्रयोग किया गया है।

⇒ कलाँ मस्जिद –

"खान - ए - जौनाशाह" द्वारा निर्मित यह मस्जिद शाहजहाँबाद में स्थित है। इसकी छत पर गुम्बद तथा चारों कोने के बुर्ज बने है। इस मस्जिद का निर्माण भी तहखाने के ऊपर हुआ है।

⇒ सैय्यद कालीन वास्तुकला –

इस समय तक स्थापत्य कला का पतन शुरु हो चुका था। सैय्यद कालीन

Scanned with CamScanner

Date : ______

इमारतों को खिलजी कालीन इमारतों की नकल पर माना जा सकता है। सैय्यदों एवं लोदियों के समय में खिलजी युग की प्राचीन शैली को पुनः जीवित करने के प्रयास किये गये। इस काल में खिज्र खाँ द्वारा स्थापित खिज्राबाद एवं मुबारक शाह द्वारा स्थापित नगर मुबारकाबाद का निर्माण हुआ।

=> सुल्तान मुबारक शाह का मकबरा :

यह मकबरा मुबारकपुर नामक गाँव में स्थित है। मकबरे के चारों ओर बने बरामदों की ऊँचाई अधिक है। गुम्बद से शिखर को डारदार दीवार से सुसज्जित करने का प्रयास किया गया। मार्शल के अनुसार – इस मस्जिद का सबसे बड़ा दोष

SELCO

Date :

यह है कि निर्माणकर्ताओं ने इसे इतना ऊँचा बना दिया कि दर्शक सरलता से इसे देख नहीं सकते।

=> मुहम्मद शाह का मकबरा :-

यह अष्टभुजीय मकबरे में अत्यधिक ऊँचाई के दोष को दूर किया गया है। मकबरों में कमल आदि प्रतिरूपों की साज-सज्जा हेतु चीनी टाईलों का उपयोग किया गया है।

(4) लोदी काल में वास्तु कला :

=> बहलोल लोदी का मकबरा :

यह मकबरा 1418 ई० में सिकन्दर शाह लोदी द्वारा बनाया गया था। 5 गुम्बदों वाले इस मकबरे के बीच में स्थित गुम्बद की ऊँचाई

Scanned with CamScanner

Date : ________

सर्वाधिक है, इसके निर्माण में लाल पत्थर का प्रयोग हुआ।

⇒ सिकन्दर लोदी का मकबरा :-

इब्राहीम लोदी द्वारा मकबरा 1517 ई० में बनवाया गया था। मकबरे में निर्मित गुम्बद के चारों तरफ आठ स्तम्भों की छतरी निर्मित है। यह मकबरा एक ऊँची बड़ी चहारदीवारी के प्रांगण में स्थित है, जिसके चारों किनारे में काफी लम्बे बुर्ज है। इसके छत पर दोहरे गुम्बद की व्यवस्था है। जॉन मार्शल के अनुसार —

संभवतः इस शैली ने मुगल सम्राटों के विशाल उद्यान युक्त मकबरे का पथ प्रदर्शन किया। मुगल शैली के अपने विकास के इस मकबरे से महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

→ मोठ की मस्जिद :-

इस मस्जिद का निर्माण सिकन्दर लोदी के वजीर मियाँ भुआ द्वारा करवाया गया। मस्जिद की प्रमुख विशेषता में स्मैर सैय्यद अहमद :-

यह लोदी स्थापत्य कला आकार में सुन्दर एवं एक उपहार कृति है। जॉन मार्शल के अनुसार लोदियों की स्थापत्य कला में जो भी सबसे सुन्दर है, उस का संक्षिप्त रूप में मोठ की मस्जिद मे विद्यमान है।

सैय्यद एवं लोदी काल में कुछ अन्य मकबरों का भी निर्माण किया गया, जैसे बड़ा खाँ एवं छोटे खाँ का मकबरा, शीश गुम्बद।

Scanned with CamScanner

Date : ________

दादी की गुम्मबद, पोती का गुम्मबद एवं ताज खां का गुम्बद आदि।

पर्सी ब्राउन के अनुसार — मकबरों के युग के नाम से संबोधित किया है। बड़े खाँ तथा छोटे खाँ के मकबरे का निर्माण सिकन्दर लोदी ने करवाया था।

To be continue: —

DR. UDAY KUMAR